

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

अमेरिकी कंपनियों ने नियुक्त किए दो भारतीय मूल के CEO, H1B वीज़ा विवाद के बीच चर्चा

Sanket Morankar

Published on 23 Sep 2025



हाल ही में अमेरिकी कंपनियों ने दो भारतीय मूल के पेशेवरों को CEO नियुक्त किया, जो H1B वीज़ा विवाद के बीच चर्चा का विषय बन गया है।

- यह नियुक्ति भारतीय प्रतिभा की वैश्विक पहचान और नेतृत्व क्षमता को दिखाती है।
- इन नियुक्तियों से यह संकेत भी मिलता है कि अमेरिकी कंपनियों में भारतीय पेशेवरों की मांग बढ़ रही है।
- H1B वीज़ा विवाद पिछले कुछ वर्षों से अमेरिकी राजनीतिक और आर्थिक चर्चा का हिस्सा है।
- अमेरिका ने H1B वीज़ा प्रक्रिया में कई बदलाव किए हैं, जिससे भारतीय आईटी और कॉर्पोरेट पेशेवर प्रभावित हुए।
- इसके बावजूद, भारतीय पेशेवरों की प्रतिभा, अनुभव और नेतृत्व क्षमता अमेरिकी कंपनियों के लिए आकर्षण का कारण बनी हुई है।
- हाल ही में नियुक्त दोनों CEO भारतीय मूल के वरिष्ठ पेशेवर हैं, जिनका अनुभव टेक्नोलॉजी, फाइनेंस और कॉर्पोरेट रणनीति में है।
- उनकी नियुक्ति से यह दिखता है कि भारतीय पेशेवरों की वैश्विक स्तर पर मांग और उनके नेतृत्व कौशल को मान्यता मिली है।
- विशेषज्ञों के अनुसार, ये नियुक्तियां H1B वीज़ा धारकों की भूमिका और महत्व पर नई चर्चा को जन्म देंगी।
- भारतीय पेशेवरों ने अमेरिकी कंपनियों में उत्कृष्टता और नवाचार के कई उदाहरण पेश किए हैं।

- CEO पद पर भारतीय मूल व्यक्तियों की नियुक्ति टेक्नोलॉजी, फाइनेंस और बहुराष्ट्रीय संगठनों में भारतीय प्रतिभा की वैश्विक प्रतिष्ठा को बढ़ाती है।
- यह दिखाता है कि **कड़ी मेहनत, शिक्षा और अनुभव** से भारतीय पेशेवर विश्व स्तर पर नेतृत्व कर सकते हैं।
- H1B वीज़ा विवाद के बावजूद, कंपनियां प्रतिभाशाली पेशेवरों को अपनी टीम में शामिल करने के लिए तैयार हैं।
- CEO नियुक्तियों से यह संदेश गया कि **प्रतिभा और अनुभव H1B नियमों से भी अधिक महत्वपूर्ण** माने जा सकते हैं।
- विशेषज्ञ मानते हैं कि यह कदम **अमेरिकी कंपनियों की रणनीति और वैश्विक प्रतिस्पर्धा** के दृष्टिकोण से अहम है।
- कंपनियों ने कहा कि ये नियुक्तियां **स्टार्टअप से लेकर बड़े बहुराष्ट्रीय संगठन तक** में नेतृत्व क्षमता बढ़ाने का संकेत हैं।
- CEO पद पर भारतीय मूल पेशेवरों की नियुक्ति से **कंपनी की वैश्विक साख और निवेशकों का विश्वास** बढ़ता है।
- कंपनियों ने यह भी स्पष्ट किया कि **प्रतिभा और अनुभव** ही मुख्य मानक हैं, न कि केवल वीज़ा स्थिति।
- भारतीय समुदाय ने इन नियुक्तियों का स्वागत किया और इसे **भारतीय पेशेवरों की वैश्विक पहचान और गौरव** माना।
- H1B वीज़ा धारकों में उत्साह है कि **संगठनों में उनके लिए नेतृत्व की राह खुली** है।
- विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम **अन्य भारतीय पेशेवरों के लिए भी प्रेरणा** बन सकता है।
- अमेरिकी कंपनियों में दो भारतीय मूल पेशेवरों की CEO नियुक्ति **प्रतिभा, अनुभव और वैश्विक नेतृत्व** का प्रतीक है।
- H1B वीज़ा विवाद के बीच यह नियुक्तियां **भारतीय पेशेवरों की वैश्विक साख** को मजबूत करती हैं।
- यह कदम दिखाता है कि **प्रतिभा और कौशल सीमा, राष्ट्रीयता और वीज़ा नियमों से ऊपर** हैं।

भारतीय पेशेवरों के लिए यह एक संदेश है कि **अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता, नेतृत्व और सम्मान** उनके कौशल और मेहनत से जुड़ा है। H1B वीज़ा विवाद के बावजूद, कंपनियां प्रतिभाशाली भारतीयों को शीर्ष पदों पर नियुक्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।